बीट द हीट - जल मित्र जागरूकता अभियान 2026

11 मई 2026 को अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ NSS Cell (यूनिट I, II एवं III) द्वारा ग्रीन डे के अवसर पर "बीट द हीट - जल मित्र " विषय पर कॉलेज परिसर एवं गोद लिए गए गांव में एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों, आवारा पशुओं एवं प्रकृति की सुरक्षा हेतु जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जागरूकता फैलाना था। यह सराहनीय पहल डॉ. प्रियंका सहरावत द्वारा उनके जन्मदिन के अवसर पर एक सामाजिक एवं पर्यावरणीय उद्देश्य के साथ शुरू की गई, जिसका उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना था। कार्यक्रम के अंतर्गत NSS स्वयंसेवकों द्वारा "51 सकोरा अभियान" चलाया गया, जिसके तहत कॉलेज परिसर, पार्कों तथा गोद लिए गए गांव चांदावली में पक्षियों एवं आवारा पशुओं के लिए 51 मिट्टी के सकोरे विभिन्न स्थानों पर रखे गए। स्वयंसेवकों ने नियमित रूप से इन सकोरों में पानी भरकर उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की। "NSS जल मित्र पहल" के अंतर्गत NSS स्वयंसेवकों ने "जल मित्र" की भूमिका निभाते हुए जीव-जंतुओं के प्रति दया एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने समाज में जागरूकता अभियान चलाकर स्थानीय निवासियों, मित्रों एवं अन्य लोगों को गर्मियों में पक्षियों और पशुओं के लिए पानी रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया। लोगों को अपने घरों, दुकानों एवं पार्कों के बाहर पानी के बर्तन रखने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि पक्षियों और पशुओं को भीषण गर्मी से राहत मिल सके।कॉलेज के कर्मचारियों ने भी इस अभियान में विशेष योगदान दिया। उन्होंने मिट्टी के सकोरों में नियमित रूप से पानी भरने की जिम्मेदारी निभाई, जिससे यह अभियान और अधिक प्रभावशाली एवं सफल बना। इस गतिविधि ने समाज में दया, पर्यावरणीय जिम्मेदारी तथा सामूहिक सहभागिता के प्रति जागरूकता उत्पन्न की। यह कार्यक्रम डॉ. सी. एस. वशिष्ठ, कार्यवाहक प्राचार्य के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया

गया तथा इसका संचालन डॉ. प्रियंका सहरावत (कार्यक्रम अधिकारी, NSS यूनिट II), डॉ. दीपमाला धनखड़ (कार्यक्रम अधिकारी, NSS यूनिट III) एवं सुश्री पूनम शर्मा (कार्यक्रम अधिकारी, NSS यूनिट I) द्वारा किया गया।कार्यक्रम का समापन प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के प्रति दया, संवेदनशीलता और संरक्षण का संदेश देते हुए किया गया।

मोटो: पानी से भरा एक सकोरा किसी अनमोल जीवन को बचा सकता है।